द्रिष्टि | By Krishna Agarwal

श्याम जी रंगीला मोहे शरण में लीजिये
दृष्टि दया की मोपे श्याम कर दीजिये

सदियों से बाबा मैं तो चाकरियो थारो हूँ
फेर भी दयालु देवा कैयां दुखियारों हूँ
सिंधु बीच न्याव बाबा श्याम पार कीजिये

जोर जै को चाले जै पर वैसु कर जोड़ के
दूसरो ना दिखे कोई सांवरे ने छोड़ के
दास की पुकार सुण के क्यों ही तो पसीजीये

काम है सदा से मेरो हाजरी बजावणो
गुणगान गा के खाटूश्याम ने रिझावणो
दर को भिखारी थारो बेगा सा रीझिये

श्याम बहादुर बाबो श्याम दातार है
शिव को तो सारो बे पे दारमदार है
श्याम नाम हाला प्याला घोल घोल पीजिये

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a6%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a4%bf%e0%a4%b7%e0%a5%8d%e0%a4%9f%e0%a4%bf-by-krishna-agarwal/